भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. *310
दिनांक 10.08.2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

जल जीवन मिशन के अंतर्गत एफएचटीसी

***310. श्री श्याम सिंह यादव:**

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के अंतर्गत कितने प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) प्रदान किए गए हैं;

(ख) सरकार का जौनपुर जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत लक्ष्य को कब तक पूरा करने का विचार है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान जौनपुर जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कितनी बार कार्यात्मक मूल्यांकन किया गया है**;** और

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान जल जीवन मिशन के अंतर्गत जौनपुर जिले में कार्यात्मक मूल्यांकन करने के लिए किस एजेंसी को अनुबंधित किया गया है?

उत्तर

जल शक्ति मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): उत्तर का विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

जल जीवन मिशन के अंतर्गत एफएचटीसी के संबंध में दिनांक 10.08.2023 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने के लिए नियत तारांकित प्रश्न संख्या *310 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) और (ख) भारत सरकार वर्ष 2024 तक उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के ग्रामीण परिवारों सहित देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार हेतु नल जल आपूर्ति की व्यवस्था करने के लिए राज्यों की भागीदारी से जल जीवन मिशन (जेजेएम)-हर घर जल कार्यान्वित कर रही है।

जल राज्य का विषय है और इसलिए उनके घरों में नल जल उपलब्ध कराने के लिए पाइपगत जलापूर्ति स्कीमों की आयोजना और कार्यान्वयन की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की है। उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, 7 अगस्त, 2023 तक, जौनपुर जिले में कुल 5.93 लाख ग्रामीण परिवारों में से 2.43 लाख (41.07%) परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।

(ग) और (घ) जेजेएम के अंतर्गत, भारत सरकार देश के ग्रामीण क्षेत्रों में नल कनेक्शनों की कार्यशीलता का एक तृतीय-पक्ष एजेंसी के माध्यम से नियमित रूप से मूल्यांकन करती है। अब तक, भारत सरकार ने वर्ष 2020-21 में उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले सहित देश के 704 जिलों में नीलसन (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड नामक एजेंसी द्वारा और वर्ष 2021-22 में उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले सहित देश के 712 जिलों में कंटार पब्लिक नामक एजेंसी द्वारा ऐसे दो मूल्यांकन किए हैं।

*****